खेल विभाग
बिहार सरकार

TENNIS

टेनिस

अनुक्रमणिका

क्र0	विषय	पृष्ठ सं0
1.	टेनिस का इतिहास	3
2.	नियम	4–6
3.	मार्किंग	7–8
4.	स्कोर शीट	9
5.	उपस्कर	10–12
6.	टेनिस में उपयोग होने वाले शब्द	13–15
7.	संघ	16
8.	प्रतियोगिताएँ	17–19
9.	भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन	20–21
10.	**FAQ**	22–23

टेनिस का इतिहास

टेनिस एक रैकेट खेल है जिसमें दो खिलाड़ी (एकल) या दो टीमें (युगल) एक नेट (जाल) से विभाजित आयताकार कोर्ट पर एक–दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं। खिलाड़ी एक रैकेट का उपयोग करके एक रबर की गेंद को नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में मारते हैं, जिसका उद्देश्य विरोधी को वैध रूप से गेंद को वापस करने में असमर्थ बनाना है।

टेनिस की परिभाषा और मुख्य पहलू

- उद्देश्यः खेल का प्राथमिक लक्ष्य गेंद को इस तरह से हिट करना है कि वह नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में गिरे, और विरोधी खिलाड़ी उसे खेल में वापस लाने में असमर्थ रहे।
- रैकेट (Racket): खिलाड़ी गेंद को हिट करने के लिए तार से जड़े रैकेट का उपयोग करते हैं। ये विभिन्न सामग्रियों जैसे ग्रेफाइट, कार्बन फाइबर आदि से बने होते हैं।
- गेंद (Ball): टेनिस में एक खोखली रबर की गेंद का उपयोग होता है, जिसे अक्सर फेल्ट (felt) से ढका जाता है और यह आमतौर पर पीले रंग की होती है।
- नेट (Net): कोर्ट के बीच में एक नेट लगा होता है जो दोनों खिलाड़ियों या टीमों के क्षेत्रों को विभाजित करता है। गेंद को हमेशा नेट के ऊपर से ही मारना होता है।
- कोर्ट (Court): खेल एक आयताकार कोर्ट पर खेला जाता है, जिसमें एकल और युगल मैचों के लिए अलग–अलग सीमा रेखाएँ होती हैं। कोर्ट की सतहें विभिन्न प्रकार की हो सकती हैं, जैसे क्ले (मिट्टी), ग्रास (घास), या हार्ड कोर्ट (कठोर सतह)।
- सर्विस (Service): खेल की शुरुआत एक ष्सर्विसष से होती है, जिसमें एक खिलाड़ी गेंद को उछालकर रैकेट से मारता है ताकि वह नेट के ऊपर से विरोधी के सर्विस कोर्ट में गिरे।
- रैली (Rally): जब तक गेंद जमीन पर नहीं गिरती (दो बार बाउंस होने पर), या कोई खिलाड़ी फाउल नहीं करता, तब तक खिलाड़ी गेंद को एक–दूसरे के कोर्ट में मारते रहते हैं।
- अंक प्रणाली (Scoring System): टेनिस में अंकों की गणना का एक अनूठा तरीका है (जैसे लव, 15, 30, 40, गेम, सेट, मैच)।

टेनिस के बुनियादी नियम

1. खेल का उद्देश्य (Objective of the Game):

- खेल का लक्ष्य गेंद को नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में इस तरह से मारना है कि विरोधी उसे वैध रूप से वापस न कर पाए।
- जब विरोधी गेंद को वापस करने में विफल रहता है, तो आपको एक अंक मिलता है।

2. मैच का प्रारूप (Match Format) – अंक प्रणाली (Scoring System)रू टेनिस में अंकों की गणना का एक अनूठा तरीका होता है, जो 'गेम', 'सेट' और 'मैच' में विभाजित होता है।

- अंक (Points) – एक गेम के भीतरः
  - 0 अंकः लव (Love)
  - पहला अंकः 15 (Fifteen)
  - दूसरा अंकः 30 (Thirty)
  - तीसरा अंकः 40 (Forty)
  - चौथा अंकः गेम (Game)
  - गेम जीतने के लिएरू एक खिलाड़ी को कम से कम 4 अंक जीतने होते हैं और विरोधी से कम से कम 2 अंकों की बढ़त बनानी होती है।
  - ड्यूस (Deuce): यदि स्कोर 40–40 हो जाता है, तो इसे श्ड्यूसश कहा जाता है। ड्यूस होने पर, गेम जीतने के लिए किसी एक खिलाड़ी को लगातार दो अंक जीतने होते हैं।
    - ☐ एडवांटेज (Advantage): ड्यूस के बाद जब कोई खिलाड़ी एक अंक जीतता है, तो उसे श्एडवांटेजश मिलता है। यदि वही खिलाड़ी अगला अंक भी जीत जाता है, तो वह गेम जीत जाता है। यदि विरोधी अगला अंक जीत जाता है, तो स्कोर फिर से ड्यूस हो जाता है।
- गेम (Games) – एक सेट के भीतरः
  - एक खिलाड़ी को एक सेट जीतने के लिए कम से कम 6 गेम जीतने होते हैं और विरोधी से कम से कम 2 गेम की बढ़त बनानी होती है।
  - उदाहरणः यदि स्कोर 6–4 है, तो सेट जीत लिया गया है। यदि स्कोर 6–5 है, तो सेट नहीं जीता गया है क्योंकि बढ़त 2 गेम की नहीं है।
  - टाई–ब्रेकर (ज्पम–इतमांमत): यदि गेम का स्कोर 6–6 हो जाता है, तो सेट का विजेता निर्धारित करने के लिए :टाई–ब्रेकरः खेला जाता है।
    - ☐ टाई–ब्रेकर में अंक 1, 2, 3... करके गिने जाते हैं।
    - ☐ जो खिलाड़ी पहले 7 अंक प्राप्त करता है और विरोधी से कम से कम 2 अंकों की बढ़त बनाता है, वह टाई–ब्रेकर जीत जाता है, और इस प्रकार सेट भी जीत जाता है (7–6 से)।
- सेट (Sets) – एक मैच के भीतरः
  - मैच का प्रारूप टूर्नामेंट के अनुसार भिन्न होता हैः

- ☐ पुरुषों के ग्रैंड स्लैम (जैसे विंबलडन, फ्रेंच ओपन) में, खिलाड़ी को मैच जीतने के लिए 5 सेटों में से 3 सेट जीतने होते हैं (बेस्ट ऑफ फाइव)।
- ☐ अधिकांश अन्य पुरुष और महिला टूर्नामेंटों में, खिलाड़ी को मैच जीतने के लिए 3 सेटों में से 2 सेट जीतने होते हैं (बेस्ट ऑफ थ्री)।

3. सर्विस (Service):

- शुरुआतः मैच की शुरुआत टॉस से होती है, जिसमें विजेता सर्विस करने या कोर्ट का सिरा चुनने का विकल्प चुनता है।
- सर्विस की बारीः खिलाड़ी बारी–बारी से पूरे गेम में सर्विस करते हैं। प्रत्येक गेम के बाद सर्वर बदल जाता है।
- सर्विस करने का तरीकाः
  - सर्वर को बेसलाइन (कोर्ट के पीछे की अंतिम रेखा) के पीछे खड़ा होना चाहिए।
  - सर्विस करते समय सर्वर को गेंद को उछालना चाहिए और उसके जमीन पर गिरने से पहले रैकेट से मारना चाहिए।
  - सर्व की गई गेंद को नेट के ऊपर से विरोधी के तिरछे विपरीत सर्विस कोर्ट में गिरना चाहिए।
- पहला और दूसरा सर्वः प्रत्येक अंक के लिए, सर्वर को दो बार सर्विस करने की अनुमति होती है।
  - यदि पहला सर्व गलत होता है (सर्विस फाउल), तो सर्वर को दूसरा सर्व करने का मौका मिलता है।
  - यदि दूसरा सर्व भी गलत होता है (डबल फाउल), तो सर्वर अंक खो देता है।
- सर्विस फाउल (Service Fault) कब होता हैः
  - यदि गेंद नेट में फंस जाती है या नेट के ऊपर से विरोधी के सर्विस कोर्ट के बाहर गिरती है।
  - यदि सर्वर सर्विस करते समय बेसलाइन को छूता है या पार करता है (फुट फाउल)।
  - यदि सर्वर गेंद को हवा में उछाले बिना हिट करता है।
- लेट (Let): यदि सर्विस की गई गेंद नेट को छूती है लेकिन फिर भी वैध सर्विस कोर्ट में गिर जाती है, तो इसे 'लेट' कहा जाता है और सर्विस को दोहराया जाता है (कोई अंक या फाउल नहीं)।

4. गेंद को खेलना (Playing the Ball):

- एक बाउंस का नियमः विरोधी खिलाड़ी को गेंद को अपने कोर्ट में एक बार बाउंस होने के बाद या हवा में (वॉली) ही मारना चाहिए। गेंद को दो बार बाउंस होने देने पर अंक खो जाता है।
- नेट को छूनाः खेल के दौरान खिलाड़ी अपने रैकेट या शरीर से नेट को नहीं छू सकता। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो वह अंक खो देता है।

- विरोधी के कोर्ट में प्रवेशः कोई भी खिलाड़ी खेल के दौरान नेट के ऊपर या नीचे से विरोधी के कोर्ट में प्रवेश नहीं कर सकता।
- लाइनेंः यदि गेंद लाइन पर गिरती है, तो उसे श्इनश (अंदर) माना जाता है।
- लगातार हिट करनाः एक ही खिलाड़ी गेंद को लगातार दो बार नहीं मार सकता।
- बाधा डालनाः खिलाड़ी जानबूझकर विरोधी को खेलने से रोक नहीं सकता।

5. कोर्ट का परिवर्तन (**Changing Ends**):

- खिलाड़ी प्रत्येक विषम गेम (जैसे पहला, तीसरा, पांचवां गेम) के अंत के बाद कोर्ट के छोर बदलते हैं।
- प्रत्येक सेट के अंत के बाद भी कोर्ट के छोर बदले जाते हैं।

6. ड्रेस कोड और उपकरण (**Dress Code – Equipment**):

- खिलाड़ी अक्सर सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनते हैं, खासकर कुछ टूर्नामेंटों (जैसे विंबलडन) में।
- रैकेट और गेंद अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुरूप होने चाहिए।

टेनिस कोर्ट की प्रमुख मार्किंग (Tennis Court Markings)

टेनिस कोर्ट एक आयताकार होता है और इसे एकल (Singles) और युगल (Doubles) दोनों मैचों के लिए डिजाइन किया जाता है। सभी लाइनें आमतौर पर 2.5 सेमी (1 इंच) से 5 सेमी (2 इंच) चौड़ी होती हैं, हालांकि बेसलाइन 10 सेमी (4 इंच) तक चौड़ी हो सकती है। सभी माप लाइनों के बाहरी किनारों तक किए जाते हैं।

1. कोर्ट की बाहरी सीमा रेखाएँ (Boundary Lines of the Court):

- बेसलाइन (Baseline): ये कोर्ट की चौड़ाई के साथ खींची गई पीछे की दो समानांतर रेखाएँ होती हैं। सर्विस करते समय खिलाड़ी को इन रेखाओं के पीछे खड़ा होना होता है। यदि गेंद बेसलाइन के बाहर गिरती है, तो उसे श्आउटश माना जाता है।
    - कोर्ट की कुल लंबाई बेसलाइन के बाहरी किनारों के बीच 23.77 मीटर (78 फीट) होती है।
- साइडलाइन (Sidelines): ये कोर्ट की लंबाई के साथ चलने वाली समानांतर रेखाएँ होती हैं।
    - सिंगल्स साइडलाइन (Singles Sidelines): ये आंतरिक साइडलाइन होती हैं, जिनका उपयोग एकल मैचों के लिए किया जाता है। एकल मैच के लिए कोर्ट की चौड़ाई इन रेखाओं के बाहरी किनारों के बीच 8.23 मीटर (27 फीट) होती है।
    - डबल्स साइडलाइन (Doubles Sidelines): ये बाहरी साइडलाइन होती हैं, जिनका उपयोग युगल मैचों के लिए किया जाता है। युगल मैच के लिए कोर्ट की कुल चौड़ाई इन रेखाओं के बाहरी किनारों के बीच 10.97 मीटर (36 फीट) होती है। सिंगल्स साइडलाइन और डबल्स साइडलाइन के बीच के क्षेत्र को एली (Alley) या ट्रामलाइंस (Tramlines) कहा जाता है, जिसका उपयोग केवल युगल में होता है।

2. नेट (Net):

- नेट कोर्ट के ठीक बीच में, सेंटर लाइन पर स्थापित होता है, जो कोर्ट को दो बराबर हिस्सों में बांटता है।
- नेट की ऊँचाई पोल के पास 1.07 मीटर (3 फीट 6 इंच) और सेंटर में 0.914 मीटर (3 फीट) होती है।
- नेट को सहारा देने के लिए साइडलाइन के बाहर पोस्ट लगाए जाते हैं।

3. सर्विस से संबंधित विशिष्ट रेखाएँ (Service–Related Specific Lines)।

- सर्विस लाइन (Service Line): यह नेट के समानांतर, नेट से 6.40 मीटर (21 फीट) की दूरी पर खींची गई रेखा होती है। यह सर्विस कोर्ट की पिछली सीमा को चिह्नित करती है।

- सेंटर सर्विस लाइन (Centre Service Line): यह सर्विस लाइन को बेसलाइन के समानांतर बांटते हुए एक रेखा होती है। यह प्रत्येक सर्विस कोर्ट को दो बराबर हिस्सों में बांटती है। यह रेखा नेट से सर्विस लाइन तक खींची जाती है।
- सर्विस कोर्ट (Service Courts) / सर्विस बॉक्स (Service BoÛes): ये चार आयताकार क्षेत्र होते हैं (प्रत्येक नेट के दोनों ओर दो), जहाँ सर्विस की गई गेंद को वैध रूप से गिरना चाहिए। सेंटर सर्विस लाइन और सर्विस लाइन मिलकर इन्हें बनाते हैं।
- सेंटर मार्क (Centre Mark): यह बेसलाइन के बीच में खींची गई एक छोटी रेखा होती है, जो बेसलाइन पर 10 सेमी (4 इंच) लंबी होती है और 5 सेमी (2 इंच) चौड़ी होती है। सर्विस करते समय सर्वर को इस मार्क के बाईं या दाईं ओर खड़ा होना चाहिए।

4. अन्य मार्किंग:

- नेट पोस्ट (Net Posts): ये नेट को सहारा देने के लिए लगाए जाते हैं। एकल मैचों में, नेट को सिंगल्स स्टिक्स (Singles Sticks) द्वारा सिंगल्स साइडलाइन पर उठाया जाता है।

लाइनों का महत्व:

- टेनिस में सभी लाइनें खेल के कोर्ट का हिस्सा मानी जाती हैं। यदि गेंद किसी भी लाइन को छूती है, तो उसे 'इन' (अंदर) माना जाता है।
- इन मार्किंग से खिलाड़ियों को अपनी स्थिति, सर्विस के लक्ष्य और गेंद के वैध गिरने के क्षेत्रों को समझने में मदद मिलती है।

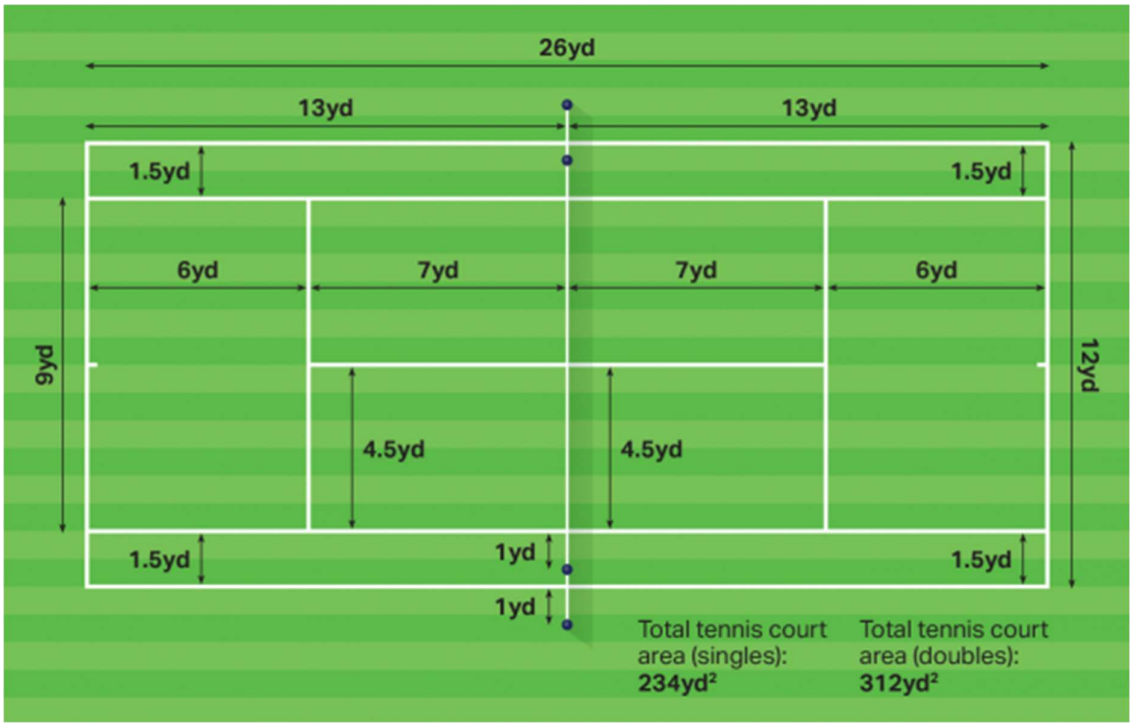

टेनिस मैच स्कोर शीट

TENNIS SCORS SHEET

DATE	PLACE	TIME	WEATHER	COURT CONDITIONS	
HOME	LEAGUE	SEASON	OPPONENT	LEAGUE	SEASON

SINGLES		RECORDS			MATCH SCORS			
NO	HOME	H	O	OPPONENT	SET 1	SET 2	SET 3	WINNER
1								
2								
3								
4								
5								
6								
7								

DOUBLES		RECORDS			MATCH SCORS			
	HOME	H	O	OPPONENT	SET 1	SET 2	SET 3	WINNER
1								
2								
3								
4								
				TOTALS				

टेनिस खेल के मुख्य उपस्कर (Equipment for Tennis)

1. टेनिस रैकेट (Tennis Racket):

- यह टेनिस का सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका उपयोग गेंद को हिट करने के लिए किया जाता है।
- बनावटः इसमें एक फ्रेम (Frame) होता है जो आमतौर पर ग्रेफाइट, कार्बन फाइबर या अन्य कंपोजिट सामग्री से बना होता है, जिससे यह हल्का और मजबूत बनता है। फ्रेम के अंदर स्ट्रिंग्स (Strings) / तार कसे होते हैं, जो सिंथेटिक गट या पॉलिएस्टर से बने होते हैं।
- मापः अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार, रैकेट के तार वाले हिस्से की लंबाई 73.7 सेमी (29 इंच) और चौड़ाई 31.7 सेमी (12.5 इंच) से अधिक नहीं हो सकती।
- पकड़ (Grip): हैंडल पर एक आरामदायक ग्रिप होती है जिसे ओवरग्रिप या रिप्लेसमेंट ग्रिप से बदला जा सकता है ताकि पसीना सोखा जा सके और बेहतर पकड़ मिल सके।
- कंपन अवशोषक (Vibration Dampener): कुछ खिलाड़ी स्ट्रिंग्स पर एक छोटा कंपन अवशोषक (डैम्पनर) लगाते हैं ताकि गेंद को हिट करते समय होने वाले कंपन को कम किया जा सके।

2. टेनिस गेंद (Tennis Ball):

- टेनिस में इस्तेमाल होने वाली गेंद विशेष रूप से इस खेल के लिए डिजाइन की जाती है।
- बनावटः यह एक खोखली रबर की गेंद होती है जिसे आमतौर पर फेल्ट (मिसज) नामक सामग्री की एक परत से ढका जाता है।
- रंगः पारंपरिक रूप से सफेद होने के बावजूद, आजकल टेनिस गेंदें आमतौर पर पीले–हरे (ऑप्टिक येलो) रंग की होती हैं ताकि उन्हें टीवी पर और कोर्ट पर बेहतर ढंग से देखा जा सके।
- वजन और आकारः ITF के नियमों के अनुसार, गेंद का व्यास 6.54 से 6.86 सेमी और वजन 56.0 से 59.4 ग्राम के बीच होना चाहिए। यह एक निश्चित उछाल (बाउंस) मानक को भी पूरा करती है।

3. नेट (Net):

- नेट कोर्ट के ठीक बीच में स्थापित होता है, जो कोर्ट को दो बराबर हिस्सों में बांटता है।
- ऊँचाई: नेट की ऊँचाई पोल के पास 1.07 मीटर (3 फीट 6 इंच) और कोर्ट के केंद्र में 0.914 मीटर (3 फीट) होती है।
- सामग्री: नेट आमतौर पर मजबूत सिंथेटिक सामग्री से बना होता है, जिसमें बारीक जाली होती है ताकि गेंद आर–पार न जा सके।

4. टेनिस कोर्ट (Tennis Court):

- यह एक आयताकार क्षेत्र होता है जिसे विशिष्ट सफेद या पीले रेखाओं से चिह्नित किया जाता है।
- आयामरू कोर्ट की लंबाई 23.77 मीटर (78 फीट) होती है। एकल मैच के लिए चौड़ाई 8.23 मीटर (27 फीट) और युगल मैच के लिए 10.97 मीटर (36 फीट) होती है।
- सतह के प्रकार: टेनिस कोर्ट की सतहें विभिन्न प्रकार की हो सकती हैं, जिनमें शामिल हैं:
    - हार्ड कोर्ट (Hard Court): ऐक्रिलिक सामग्री से बनी कठोर सतह, जो अधिकांश बड़े टूर्नामेंटों में उपयोग की जाती है (जैसे ऑस्ट्रेलियन ओपन, यूएस ओपन)।
    - क्ले कोर्ट (Clay Court): लाल मिट्टी या कुचली हुई ईंटों से बनी सतह (जैसे फ्रेंच ओपन)। यह गेंद को धीमा करती है और अधिक उछाल देती है।
    - ग्रास कोर्ट (Grass Court): घास से बनी सतह (जैसे विंबलडन)। यह सबसे तेज सतह होती है, और गेंद कम उछाल देती है।

5. टेनिस शूज / जूते (Tennis Shoes):

- टेनिस के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए जूते बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।
- विशेषताएँ: ये जूते कोर्ट पर तेजी से दिशा बदलने, फिसलने से बचने और अचानक रुकने–चलने के दौरान पैरों को सहारा देने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। इनमें उत्कृष्ट पकड़ (हतपच), पार्श्व स्थिरता (lateral stability) और कुशनिंग (cushioning) होती है ताकि जोड़ों पर तनाव कम हो सके।

6. खेल पोशाक (Tennis Attire):

- खिलाड़ी आमतौर पर हल्के, सांस लेने वाले कपड़े पहनते हैं जो उन्हें स्वतंत्र रूप से हिलने–डुलने की अनुमति देते हैं और पसीने को प्रभावी ढंग से सोखते हैं। इसमें टी–शर्ट, पोलो शर्ट, शॉर्ट्स, स्कर्ट या ड्रेसेज शामिल हो सकती हैं।

- कुछ टूर्नामेंटों, जैसे विंबलडन, में खिलाड़ियों को सफेद कपड़े पहनने की परंपरा का पालन करना होता है।

7. अन्य सहायक उपकरण (Other Accessories):

- रिस्टबैंड (Wristband): पसीना सोखने और कलाई को सहारा देने के लिए।
- हेडबैंड (Headband): पसीना सोखने और बालों को चेहरे से दूर रखने के लिए।
- सनविजर/कैप (Sun Visor/Cap): धूप से बचाव के लिए, खासकर आउटडोर कोर्ट पर।
- रैकेट बैग (Racket Bag): रैकेट, कपड़े और अन्य सामान ले जाने के लिए।
- वाटर बोतल (Water Bottle): हाइड्रेटेड रहने के लिए।

टेनिस खेल में उपयोग होने वाले शब्द

स्कोरिंग से संबंधित शब्द

- लव (Love): टेनिस में 'शून्य' अंक को 'लव' कहा जाता है। उदाहरण के लिए, 15–लव (एक टीम के 15 अंक और दूसरी के शून्य)।
- 15 (Fifteen), 30 (Thirty), 40 (Forty): ये गेम के भीतर के अंक होते हैं। पहला अंक 15, दूसरा 30 और तीसरा 40 होता है।
- गेम (Game): जब कोई खिलाड़ी चार अंक (और विरोधी से दो अंकों की बढ़त) हासिल कर लेता है, तो वह एक गेम जीत जाता है।
- ड्यूस (Deuce): यदि स्कोर 40–40 हो जाता है, तो इसे 'ड्यूस' कहा जाता है। इस स्थिति में गेम जीतने के लिए किसी एक खिलाड़ी को लगातार दो अंक जीतने होते हैं।
- एडवांटेज (Advantage) / ऐड (Ad): ड्यूस के बाद जब कोई खिलाड़ी एक अंक जीतता है, तो उसे श्एडवांटेजश मिलता है। यदि वह अगला अंक भी जीत जाता है, तो वह गेम जीत जाता है। यदि सर्वर को एडवांटेज मिलता है तो उसे 'एड–इन' (Ad-in) और रिसीवर को मिलता है तो 'एड–आउट' (Ad-out) कहते हैं।
- सेट (Set): जब कोई खिलाड़ी कम से कम 6 गेम जीत लेता है और विरोधी से कम से कम 2 गेम की बढ़त बना लेता है, तो वह एक सेट जीत जाता है।
- टाई–ब्रेकर (Tie-breaker): यदि सेट का स्कोर 6–6 हो जाता है, तो सेट का विजेता निर्धारित करने के लिए टाई–ब्रेकर खेला जाता है। इसमें अंक 1, 2, 3... करके गिने जाते हैं और जो पहले 7 अंक (कम से कम 2 अंकों की बढ़त के साथ) प्राप्त करता है, वह जीतता है।
- मैच (Match): खिलाड़ियों को मैच जीतने के लिए निर्धारित सेटों की संख्या जीतनी होती है (आमतौर पर बेस्ट ऑफ थ्री या बेस्ट ऑफ फाइव)।
- मैच पॉइंट (Match Point): वह अंक जो किसी खिलाड़ी को मैच जीतने के लिए चाहिए होता है।
- सेट पॉइंट (Set Point): वह अंक जो किसी खिलाड़ी को सेट जीतने के लिए चाहिए होता है।
- गेम पॉइंट (Game Point): वह अंक जो किसी खिलाड़ी को वर्तमान गेम जीतने के लिए चाहिए होता है।

खेल की क्रियाओं और तकनीकों से संबंधित शब्द

- सर्विस (Service) / सर्व (Serve): खेल की शुरुआत करने के लिए खिलाड़ी द्वारा गेंद को रैकेट से मारना।
- फाउल (Fault): एक अवैध सर्विस। यदि खिलाड़ी दो लगातार फाउल करता है, तो इसे डबल फाउल (Double Fault) कहते हैं और वह अंक खो देता है।

- लेट (Let): यदि सर्विस की गई गेंद नेट को छूती है लेकिन फिर भी वैध सर्विस कोर्ट में गिर जाती है, तो सर्विस को दोहराया जाता है।
- फुट फाउल (Foot Fault): सर्विस करते समय सर्वर का बेसलाइन को छूना या पार करना।
- ऐस (Ace): एक वैध सर्विस जो विरोधी खिलाड़ी द्वारा बिना छुए सर्विस कोर्ट में गिरती है और सर्वर को सीधा अंक दिलाती है।
- रैली (Rally): जब तक गेंद जमीन पर नहीं गिरती या कोई फाउल नहीं होता, तब तक खिलाड़ी द्वारा एक–दूसरे के कोर्ट में गेंद को मारते रहना।
- फोरहैंड (Forehand): रैकेट को शरीर के सामने (हाथ की हथेली की तरफ) से घुमाकर गेंद को मारना।
- बैकहैंड (Backhand): रैकेट को शरीर के विपरीत (हाथ के पीछे की तरफ) से घुमाकर गेंद को मारना।
- वॉली (Volley): गेंद को जमीन पर बाउंस होने से पहले ही नेट के पास से मारना।
- हाफ वॉली (Half Volley): गेंद को जमीन पर बाउंस होने के तुरंत बाद मारना, जब वह ऊपर उठना शुरू ही कर रही हो।
- स्मैश (Smash): एक शक्तिशाली ओवरहेड शॉट, आमतौर पर नेट के पास से, जिसे विरोधी के लिए वापस करना मुश्किल होता है। यह बैडमिंटन के स्मैश के समान है।
- ड्रॉप शॉट (Drop Shot): गेंद को हल्के से नेट के ठीक ऊपर विरोधी के कोर्ट में गिराना ताकि वह मुश्किल से बाउंस हो और विरोधी तक न पहुँच पाए।
- लॉब (Lob): गेंद को ऊँचाई पर विरोधी के कोर्ट के पिछले हिस्से तक मारना, अक्सर विरोधी को नेट से पीछे धकेलने के लिए।
- ग्राउंडस्ट्रोक (Groundstroke): गेंद को अपने कोर्ट में एक बार बाउंस होने के बाद बेसलाइन के पास से मारना।
- पासिंग शॉट (Passing Shot): एक शॉट जो विरोधी खिलाड़ी को नेट पर रोकने के लिए मारा जाता है, जो विरोधी के बगल से या ऊपर से निकल जाता है।
- स्लाइस (Slice): गेंद को नीचे की ओर काटते हुए मारना जिससे वह बैकस्पिन ले और नीची उछाल ले।
- टॉपस्पिन (Topspin): गेंद को ऊपर की ओर काटते हुए मारना जिससे वह फॉरवर्ड स्पिन ले और कोर्ट में तेजी से नीचे गिरे और ऊँचा उछले।
- ब्रेक (Break) / सर्विस ब्रेक (Service Break): जब रिसीवर (सर्विस न करने वाला खिलाड़ी) सर्वर के गेम को जीत जाता है।
- ब्रेक पॉइंट (Break Point): वह अंक जो रिसीवर को सर्वर का गेम तोड़ने (ब्रेक करने) के लिए चाहिए होता है।

कोर्ट और नियम से संबंधित शब्द

- कोर्ट (Court): खेल का मैदान।
- नेट (Net): कोर्ट के बीच में लगा जाल।
- बेसलाइन (Baseline): कोर्ट के पीछे की अंतिम रेखा।
- साइडलाइन (Sideline): कोर्ट की लंबी सीमा रेखाएँ।
- सर्विस लाइन (Service Line): नेट के समानांतर, सर्विस कोर्ट की पिछली सीमा को चिह्नित करने वाली रेखा।
- सेंटर मार्क (Centre Mark): बेसलाइन के बीच में छोटा सा निशान, जहां से सर्वर सर्विस करते समय खड़ा होता है।
- सिंगल्स साइडलाइन (Singles Sideline): एकल मैचों के लिए आंतरिक साइडलाइन।
- डबल्स साइडलाइन (Doubles Sideline): युगल मैचों के लिए बाहरी साइडलाइन।
- एली (Alley) / ट्रामलाइंस (Tramlines): सिंगल्स और डबल्स साइडलाइन के बीच का क्षेत्र, जिसका उपयोग केवल युगल में होता है।
- इन (In): जब गेंद कोर्ट की वैध सीमा रेखाओं के भीतर गिरती है या किसी लाइन को छूती है।
- आउट (Out): जब गेंद कोर्ट की वैध सीमा रेखाओं के बाहर गिरती है।
- लाइन जज (Line Judge): यह निर्धारित करने वाला अधिकारी कि गेंद 'इन' है या श्आउटश।
- चेयर अंपायर (Chair Umpire): मैच का मुख्य अधिकारी जो नियमों को लागू करता है और स्कोर की घोषणा करता है।
- ड्रॉ (Draw): टूर्नामेंट की सूची जो दिखाती है कि कौन से खिलाड़ी किससे खेलेंगे।
- बाय (Bye): जब किसी खिलाड़ी को पहले राउंड में खेलने की आवश्यकता नहीं होती है और वह सीधे अगले राउंड में चला जाता है।

संघ

1. बिहार में (Bihar)

बिहार में टेनिस के लिए शासी निकाय हैः

- बिहार लॉन टेनिस एसोसिएशन (Bihar Lawn Tennis Association)
    - यह अखिल भारतीय टेनिस संघ (AITA) से संबद्ध है।
    - अध्यक्षः श्री शत्रुघ्न सिन्हा
    - सचिवः डॉ. विश्वदीप अखौरी
    - ई–मेलः tennispatna@gmail.com

2. राष्ट्रीय स्तर पर (National Level – India)

भारत में टेनिस का संचालन करने वाली राष्ट्रीय संस्था हैः

- अखिल भारतीय टेनिस संघ (।सस प्दकपं ज्मददपे ेवबपंजपवद – ।प्ज।)
    - स्थापनाः 1920
    - मुख्यालयः आर.के. खन्ना टेनिस कॉम्प्लेक्स, दिल्ली
    - भूमिकाः AITA भारत में टेनिस का सर्वोच्च शासी निकाय है। यह राष्ट्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन करता है, भारतीय राष्ट्रीय टीमों (जैसे डेविस कप और बिली जीन किंग कप) का प्रबंधन करता है, और अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (ITF) और एशियाई टेनिस महासंघ (ATF) से संबद्ध है।
    - वर्तमान अध्यक्षः श्री अनिल जैन (जुलाई 2025 तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार)
    - वेबसाइटः aitatennis.com

3. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर (International Level)

टेनिस के लिए विश्व और क्षेत्रीय शासी निकाय हैंः

- अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (International Tennis Federation – ITF)
    - स्थापनाः 1913
    - मुख्यालयः लंदन, यूनाइटेड किंगडम
    - भूमिकाः ITF दुनिया भर में टेनिस का शासी निकाय है। यह खेल के नियमों को निर्धारित करता है, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे ग्रैंड स्लैम, डेविस कप, बिली जीन किंग कप और ITF वर्ल्ड टेनिस टूर को मंजूरी देता है, और ओलंपिक और पैरालंपिक टेनिस इवेंट्स का प्रबंधन करता है।
    - वर्तमान अध्यक्षः डेविड हैगर्टी (David Haggerty)
    - वेबसाइटः itftennis.com
- एशियन टेनिस महासंघ (Asian Tennis Federation – ATF)
    - स्थापनाः 1962
    - मुख्यालयः कोलंबो, श्रीलंका
    - भूमिकाः ATF एशिया में टेनिस का शासी निकाय है। यह एशियाई महाद्वीप में टेनिस के विकास और प्रचार के लिए काम करता है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन और विनियमन शामिल है।

प्रतियोगिताएँ

अंतर्राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट/प्रतियोगिताएं (International Tennis Tournaments/Competitions)

अंतर्राष्ट्रीय टेनिस फेडरेशन (International Tennis Federation – ITF) टेनिस का विश्व शासी निकाय है, जो विभिन्न टूर्नामेंटों को मंजूरी देता है और उनका आयोजन करता है। इसके अलावा, पुरुषों के लिए ATP (एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स) और महिलाओं के लिए WTA (महिला टेनिस एसोसिएशन) अपने–अपने टूर का आयोजन करते हैं।

1. ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट (Grand Slam Tournaments): ये टेनिस में सबसे प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण टूर्नामेंट माने जाते हैं, और इन्हें 'मेजर (Majors)' भी कहा जाता है। एक ही कैलेंडर वर्ष में सभी चार ग्रैंड स्लैम जीतना 'कैलेंडर ग्रैंड स्लैम' कहलाता है, जो एक दुर्लभ उपलब्धि है।

- ऑस्ट्रेलियन ओपन (Australian Open):
  - कबः जनवरी (साल का पहला ग्रैंड स्लैम)
  - कहाँः मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
  - कोर्ट सतहः हार्ड कोर्ट

- फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):
  - कबः मई–जून
  - कहाँः पेरिस, फ्रांस
  - कोर्ट सतहः क्ले कोर्ट (लाल मिट्टी) – क्ले कोर्ट पर खेला जाने वाला एकमात्र ग्रैंड स्लैम।
- विंबलडन (Wimbledon):
  - कबः जून–जुलाई
  - कहाँः लंदन, यूनाइटेड किंगडम
  - कोर्ट सतहः ग्रास कोर्ट (घास) – यह सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैम माना जाता है।
- यूएस ओपन (US Open):
  - कबः अगस्त–सितंबर (साल का अंतिम ग्रैंड स्लैम)
  - कहाँः न्यूयॉर्क शहर, संयुक्त राज्य अमेरिका
  - कोर्ट सतहः हार्ड कोर्ट

2. ATP टूर (पुरुषों के लिए)रू ATP पुरुषों के पेशेवर टेनिस सर्किट का आयोजन करता है, जिसमें विभिन्न स्तर के टूर्नामेंट शामिल हैं, जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक प्रदान करते हैं:

- ATP फाइनल्स (ATP Finals): साल के अंत में आयोजित होने वाला टूर्नामेंट जिसमें शीर्ष 8 रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी और डबल्स टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं।
- ATP मास्टर्स 1000 (ATP Masters 1000)फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):

नौ प्रमुख टूर्नामेंट जो ग्रैंड स्लैम के बाद दूसरे सबसे बड़े माने जाते हैं (जैसे इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे–कार्लो, रोम, मैड्रिड, कनाडा, सिनसिनाटी, शंघाई, पेरिस मास्टर्स)।

- ATP 500 सीरीज (ATP 500 Series)फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros): 13 टूर्नामेंट जो महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक प्रदान करते हैं।
- ।ज्च 250 सीरीज (ATP 250 Series) फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):

टूर पर सबसे निचले स्तर के टूर्नामेंट, लेकिन पेशेवर करियर के लिए महत्वपूर्ण।

3. WTA टूर (महिलाओं के लिए) फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):
WTA महिलाओं के पेशेवर टेनिस सर्किट का आयोजन करता है, जिसमें विभिन्न स्तर के टूर्नामेंट शामिल हैं:

- WTA फाइनल्स (WTA Finals) फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):
  साल के अंत में आयोजित होने वाला टूर्नामेंट जिसमें शीर्ष 8 रैंकिंग वाली एकल खिलाड़ी और डबल्स टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं।
- WTA 1000 (WTA 1000)फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):

ग्रैंड स्लैम के बाद सबसे बड़े टूर्नामेंट (जैसे दोहा, दुबई, इंडियन वेल्स, मियामी, मैड्रिड, रोम, कनाडा, सिनसिनाटी, बीजिंग, वुहान)।

- WTA 500 (WTA 500) फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):

महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक प्रदान करने वाले टूर्नामेंट।

- WTA 250 (WTA 250) फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):
  निचले स्तर के टूर्नामेंट।

4. टीम प्रतियोगिताएं (Team Competitions) फ्रेंच ओपन (French Open / Roland Garros):

- डेविस कप (Davis Cup): पुरुषों के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टीम प्रतियोगिता, जिसे 'टेनिस का विश्व कप' भी कहा जाता है। इसमें विभिन्न देशों की टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं।
- बिली जीन किंग कप (Billie Jean King Cup): महिलाओं के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टीम प्रतियोगिता (पहले फेड कप के नाम से जानी जाती थी)।
- हॉपमैन कप (Hopman Cup): मिश्रित युगल की एक टीम प्रतियोगिता।
- यूनाइटेड कप (United Cup): पुरुषों और महिलाओं की मिश्रित टीमों का एक नया टूर्नामेंट, जो ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले खेला जाता है।
- लेवर कप (Laver Cup): टीम यूरोप और टीम वर्ल्ड के बीच पुरुषों की एक टीम प्रतियोगिता।

5. ITF वर्ल्ड टेनिस टूर (ITF World Tennis Tour):

- यह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए पेशेवर टेनिस का सबसे निचला स्तर है, जो युवा खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक अर्जित करने और ।ज्ब्ॅज। टूर तक आगे बढ़ने में मदद करता है। इसमें M15/M25 (पुरुष) और W15/W25 (महिला) टूर्नामेंट शामिल हैं।

6. ओलंपिक खेल (Olympic Games):

- हर चार साल में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों में भी टेनिस एक पदक खेल है, जहाँ खिलाड़ी अपने देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट/प्रतियोगिताएं (National Tennis Tournaments/Competitions – India) भारत में टेनिस का संचालन अखिल भारतीय टेनिस संघ (All India Tennis Association – AITA) द्वारा किया जाता है। AITA भारत में विभिन्न स्तरों पर कई टूर्नामेंट आयोजित करता है:

1. **राष्ट्रीय टेनिस चैम्पियनशिप (National Tennis Championships / Fenesta Open):**
   - यह भारत की सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता है।
   - इसमें पुरुष एकल, महिला एकल, युगल और विभिन्न आयु वर्गों (जैसे अंडर–18, अंडर–16, अंडर–14) में प्रतियोगिताएं शामिल होती हैं।
   - यह भारतीय खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार करने का मुख्य मंच है।

2. **AITA राष्ट्रीय टूर्नामेंट (AITA National Tournaments):**
   - AITA पूरे देश में विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट आयोजित करता है, जैसे:
   - ☐ AITA राष्ट्रीय जूनियर चैम्पियनशिप: युवा खिलाड़ियों के लिए।
   - ☐ AITA सुपर सीरीज (Super Series): राज्य और राष्ट्रीय स्तर के बीच का एक स्तर।
   - ☐ AITA चैम्पियनशिप सीरीज (Championship Series): स्थानीय स्तर पर अधिक पहुंच वाले टूर्नामेंट।
   - ☐ AITA टैलेंट सीरीज (Talent Series): उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए।

3. **ATP चौलेंजर टूर इवेंट्स (ATP Challenger Tour Events in India)रू**
   - भारत कुछ ATP चौलेंजर टूर्नामेंटों की मेजबानी भी करता है, जो ATP टूर के ठीक नीचे का स्तर है। ये भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग अंक अर्जित करने और उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देते हैं।
   - उदाहरण: बेंगलुरु ओपन (Bengaluru Open), चेन्नई ओपन चौलेंजर (Chennai Open Challenger)।

4. ITF पुरुष/महिला वर्ल्ड टेनिस टूर इवेंट्स (ITF Men's/Women's World Tennis Tour Events in India):
   - भारत नियमित रूप से ITF स्तर के टूर्नामेंटों की मेजबानी करता है, जो युवा और उभरते हुए भारतीय खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सर्किट में प्रवेश करने का पहला कदम होता है।

5. खेलो इंडिया गेम्स (Khelo India Games):
   - टेनिस को अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी शामिल किया गया है, जो जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान और विकास में मदद करता है।

भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन

टेनिस में भारत की अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियाँ

भारतीय टेनिस ने व्यक्तिगत खिलाड़ियों और टीम स्पर्धाओं दोनों में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

1. ग्रैंड स्लैम विजेता (Grand Slam Winners): भारत ने ग्रैंड स्लैम एकल खिताब तो नहीं जीता है, लेकिन युगल और मिश्रित युगल में कई ऐतिहासिक जीत हासिल की हैं।

- **महेश भूपति (Mahesh Bhupathi):**
  - वह पहले भारतीय टेनिस खिलाड़ी थे जिन्होंने ग्रैंड स्लैम जीता। उन्होंने 1997 फ्रेंच ओपन में जापान की रिका हिराकि के साथ मिश्रित युगल का खिताब जीता।
  - भूपति ने कुल 12 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं – 8 मिश्रित युगल और 4 पुरुष युगल। उनके पुरुष युगल खिताब में से तीन लिएंडर पेस के साथ आए।
  -

- **लिएंडर पेस (Leander Paes):**
  - पेस को सर्वकालिक महान युगल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने कुल 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं – 8 पुरुष युगल और 10 मिश्रित युगल।
  - उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम भी हासिल किया है, जिसका अर्थ है कि उन्होंने पुरुष युगल और मिश्रित युगल दोनों में सभी चार ग्रैंड स्लैम जीते हैं।

- **सानिया मिर्जा (Sania Mirza):**
  - सानिया मिर्जा भारत की सबसे सफल महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। उन्होंने कुल 6 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं – 3 महिला युगल और 3 मिश्रित युगल।
  - वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं (2009 ऑस्ट्रेलियन ओपन मिश्रित युगल, महेश भूपति के साथ)।

- **रोहन बोपन्ना (Rohan Bopanna):**
    - बोपन्ना एक और प्रमुख भारतीय युगल खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन में गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिश्रित युगल का खिताब जीता है।

2. ओलंपिक पदक (Olympic Medal):

- लिएंडर पेस (Leander Paes): वह ओलंपिक में टेनिस में पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 1996 अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था।

3. अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम (International Tennis Hall of Fame) में शामिल होना: यह भारतीय टेनिस के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था:

- विजय अमृतराज (Vijay Amritraj): जुलाई 2024 में, विजय अमृतराज को योगदानकर्ता श्रेणी (Contributor Category) में अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। उन्होंने 1970 और 80 के दशक में भारतीय टेनिस को वैश्विक मानचित्र पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- लिएंडर पेस (Leander Paes): जुलाई 2024 में, लिएंडर पेस को खिलाड़ी श्रेणी (Player Category) में अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। वह अपनी असाधारण युगल उपलब्धियों और ओलंपिक पदक के लिए इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

4. डेविस कप (Davis Cup): भारत ने डेविस कप में कई बार अच्छा प्रदर्शन किया है, जो पुरुषों की प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टीम प्रतियोगिता है:

- भारत 1966, 1974, और 1987 में डेविस कप के फाइनल तक पहुँचा, हालांकि खिताब नहीं जीत पाया।
- रामनाथन कृष्णन, विजय अमृतराज, रमेश कृष्णन, और लिएंडर पेस जैसे खिलाड़ियों ने इन ऐतिहासिक डेविस कप अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लिएंडर पेस के नाम डेविस कप में सबसे अधिक युगल जीत का रिकॉर्ड भी है।

5. जूनियर ग्रैंड स्लैम विजेता: भारतीय खिलाड़ियों ने जूनियर स्तर पर भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, जो भविष्य के लिए एक मजबूत नींव तैयार करता है:

- रमेश कृष्णन ने 1979 में जूनियर विंबलडन और जूनियर फ्रेंच ओपन दोनों जीते।
- लिएंडर पेस ने जूनियर यूएस ओपन और जूनियर विंबलडन जीते।
- हाल के वर्षों में, युकी भांबरी (2009 ऑस्ट्रेलियन ओपन जूनियर) जैसे खिलाड़ियों ने भी जूनियर ग्रैंड स्लैम जीते हैं।

6. एशियन गेम्स (Asian Games): भारत ने एशियाई खेलों में टेनिस में कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं, जो एशिया में इसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

टेनिस पर आधारित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

प्र0 1.	**टेनिस क्या है?**
उत्तर	टेनिस एक रैकेट खेल है जिसमें दो खिलाड़ी (एकल) या दो टीमें (युगल) एक नेट से विभाजित आयताकार कोर्ट पर एक–दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं। खिलाड़ी एक रैकेट का उपयोग करके एक रबर की गेंद को नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में मारते हैं, जिसका उद्देश्य विरोधी को वैध रूप से गेंद वापस करने में असमर्थ बनाना है।
प्र0 2.	**टेनिस में अंक कैसे गिने जाते हैं?**
उत्तर	टेनिस में अंकों की गणना का एक अनूठा तरीका है जो 'गेम–, 'सेट' और 'मैच' में विभाजित होता है। अंकों को 'लव' (0), '15', '30', और '40' के रूप में गिना जाता है
प्र0 3.	**एक मैच कैसे जीता जाता है?**
उत्तर	मैच का प्रारूप टूर्नामेंट के अनुसार भिन्न होता है ग्रैंड स्लैम जैसे बड़े टूर्नामेंट में पुरुषों को मैच जीतने के लिए 5 सेटों में से 3 सेट जीतने होते हैं (बेस्ट ऑफ फाइव), जबकि अधिकांश अन्य टूर्नामेंटों में, 3 सेटों में से 2 सेट जीतने होते हैं (बेस्ट ऑफ थ्री)।
प्र0 4.	**सर्विस के क्या नियम हैं?**
उत्तर	खेल की शुरुआत एक 'सर्विस' से होती है, जिसमें खिलाड़ी गेंद को उछालकर रैकेट से मारता है ताकि वह नेट के ऊपर से विरोधी के सर्विस कोर्ट में गिरे।
प्र0 5.	**क्या खिलाड़ी नेट को छू सकता है?**
उत्तर	खेल के दौरान कोई भी खिलाड़ी अपने रैकेट या शरीर से नेट को नहीं छू सकता। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो वह अंक खो देता है ।
प्र0 6.	**टेनिस कोर्ट की सतहें कौन–कौन सी होती हैं?**
उत्तर	टेनिस कोर्ट की सतहें विभिन्न प्रकार की हो सकती हैं, जैसे क्ले (मिट्टी), ग्रास (घास), या हार्ड कोर्ट (कठोर सतह)।
प्र0 7.	**युगल मैचों के लिए कौन सी सीमा रेखाएं होती हैं?**
उत्तर	युगल मैचों के लिए कोर्ट की बाहरी साइडलाइन का उपयोग किया जाता है, जिन्हें 'डबल्स साइडलाइन' कहा जाता है ।
प्र0 8.	**टेनिस का विश्व शासी निकाय कौन है?**
उत्तर	अंतर्राष्ट्रीय टेनिस फेडरेशन (ITF) टेनिस का विश्व शासी निकाय है, जो विभिन्न टूर्नामेंटों को मंजूरी देता है और उनका आयोजन करता है।

प्र0 9.	**पुरुषों और महिलाओं के लिए प्रमुख टेनिस टूर कौन से हैं?**
उत्तर	पुरुषों के लिए एटीपी (एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स) और महिलाओं के लिए डब्ल्यूटीए (महिला टेनिस एसोसिएशन) अपने–अपने टूर का आयोजन करते हैं
प्र0 10.	**ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट क्या हैं?**
उत्तर	ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट टेनिस में सबसे प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण टूर्नामेंट माने जाते हैं
प्र0 11.	**भारत की एक प्रमुख महिला टेनिस खिलाड़ी कौन हैं?**
उत्तर	सानिया मिर्जा भारत की सबसे सफल महिला टेनिस खिलाड़ी हैं।